

उत्तराखण्ड की सृष्टिलिखेरा को फ़िल्म 'एक था गाँव' के लिये मिला राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

17 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रपति दिरौपदी मुरमू ने नई दिल्ली के वजिज़ान भवन में आयोजित 69वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार वितरण समारोह में उत्तराखण्ड के टहिरी ज़िले के कीर्तनगर ब्लॉक के सेमला गाँव निवासी सृष्टिलिखेरा को उनकी फ़िल्म 'एक था गाँव' के लिये बेस्ट नॉन फीचर फ़िल्म की कटेगरी में राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बडि

- राष्ट्रपति दिरौपदी मुरमू ने नई दिल्ली में वभिनिन श्रेणियों में 69वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार समारोह में वर्ष 2021 के वजिताओं को पुरस्कार प्रदान किये। उन्होंने वहीदा रहमान को वर्ष 2021 के लिये दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया।
- सृष्टिलिखेरा ने फ़िल्म 'एक था गाँव' का प्रोडक्शन और निर्देशन किया है। इससे पहले यह फ़िल्म मुंबई एकेडमी ऑफ़ मूविंग इमेज (मामी) फ़िल्म महोत्सव के इंडिया गोलड श्रेणी में जगह बना चुकी है।
- सृष्टि के पिता एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. केएन लखेरा ने बताया कि सृष्टि करीब 13 साल से फ़िल्म लाइन के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।
- गढ़वाली और हिन्दी भाषा में बनी इस फ़िल्म में घोस्ट वलिज (पलायन से खाली हो चुके गाँव) की कहानी है। उत्तराखण्ड में पलायन की पीड़ा को देखते हुए सृष्टि ने यह फ़िल्म बनाई।
- डॉ. केएन लखेरा ने बताया कि पहले उनके गाँव में 40 परिवार रहते थे और अब पाँच से सात लोग ही बचे हैं। लोगों को किसी-न-किसी मज़बूरी से गाँव छोड़ना पड़ा। इसी उलझन को उन्होंने एक घंटे की फ़िल्म के रूप में पेश किया है। फ़िल्म के दो मुख्य पात्र हैं- 80 वर्षीय लीला देवी और 19 वर्षीय कशिरी गोलू।





PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-s-srishthi-lakhera-received-national-film-award-for-tha-film-ek-tha-gaon>